[This question paper contains 12 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 482 **G** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 241182

Name of the Paper : Financial Accounting

Name of the Course : **B.Com.**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Each question carries equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न हल कीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Prepare Trading and Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2015 and a Balance Sheet as on that date from the following trial balance :–

Particulars	Debit Amount (Rs.)	Particulars	Credit Amount (Rs.)
Stock on 1st April, 2014	32,000	Sales less returns	2,20,000
Purchases less Returns	76,000	General Reserve	7,800
Wages	15,400	Sundry Creditors	20,000
Carriage Inwards	2,600	Capital	60,000
Carriage Outwards	1,500	Mortgage and Interest to date	10,600
Salaries	27,000	Rent Outstanding	1,000
Advertisements	25,000		
Trade expenses	4,800		
Salesman's Commission	12,000		
Establishment	5,400		
Stable Expenses	2,100		
Mortgage Interest	600		
Sundry Debtors	40,000		
Cash in hand	2,500		
Machinery	72,500		
	3,19,400		**3,19,400**

Adjustments :

(i) Closing Stock was Rs. 41,000.

(ii) Goods costing Rs. 5000 have been purchased and recorded in the books but the goods were not received till 31st March 2015.

(iii) Provision for doubtful debts be created on sundry debtors @ 5% and a provision for discount on sundry debtors and creditors @ 2%.

(iv) A stationary bill for Rs. 200 remains unpaid and unrecorded.

(v) Advertisement includes Rs. 15,000 spent at the time of launching a new product. It is the policy of the business to write off such expenses in 5 years.

(vi) A bill recevable (B\R) for Rs. 4,500 was discounted on 10th March 2015 but is due in May.

(vii) The Salesmen are entitled to a Commission of 10% of net sales.

(15)

OR

The following is the Receipts and Payments Account of 'V Club' for the year ended 31st March 2013 :

Receipts	Amount (Rs.)	Payments	Amount (Rs.)
To Balance b/d	4,400	By Salaries	44,000
To Subscription: 2011-2012 2012-2013 2013-2014	 1,500 96,000 500	By Furniture (Purchased on 1st January 2013)	10,000
To Entrance Fees	8,000	By Sports Expenses	11,000
To Sports Fund	15,000	By Drama Expenses	18,400
To Sale of drama tickets	24,000	By Newspapers	2,500
To Sale of waste paper	150	By Municipal Taxes	3,600
To Interest on Investments	1,350	By Refreshments	32,200
		By Lighting and Heating	6,000
		By Medicines purchased	4,000
		By Balance c/d	19,200
	1,50,900		**1,50,900**

Prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 2013 and the Balance sheet as on that date, after taking the following information into account :

(i) The Club has 200 members each paying an annual subscription of Rs. 500 and the subscription of two members is still in arrears for 2011-2012

(ii) Stock of Medicines as on 31st March 2013 was Rs. 1,000.

(iii) Municipal Taxes amounting to Rs. 2,000 p.a. have been paid upto 31st December 2013.

(iv) Salaries are paid @ Rs. 4,000 per month.

(v) The other assets on 1st April 2012 were: Furniture: Rs. 40,000 and 9% Investments Rs. 20,000.

(vi) Depreciate furniture @ 10% p.a. and provide upto date interest on investments. (15)

दी गई परीक्षण तालिका से, 31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए तथा उसी तिथि को तुलन पत्र बनाइये।

विवरण	डेबिट ₹	विवरण	क्रैडिट ₹
1-4-2014 को स्टॉक	32,000	वापसी घटा कर विक्रय	2,20,000
वापसी घटा कर क्रय	76,000	सामान्य रिर्ज़व	7,800
मजदूरी	15,400	विभिन्न लेनदार	20,000
आवक पर भाड़ा	2,600	पूंजी	60,000
जावक पर भाड़ा	1,500	गिरवी तथा आज तक ब्याज	10,600
वेतन	27,000	देय किराया	1,000
विज्ञापन	25,000		
व्यापार व्यय	4,800		
सेल्समैन की कमीशन	12,000		
प्रशासनिक व्यय	5,400		
अस्तबल के खर्चे	2,100		
गिरवी रखने पर ब्याज	600		
विभिन्न देनदार	40,000		
दस्ती रोकड़	2,500		
मशीनरी	72,500		
	3,19,400		**3,19,400**

<u>समायोजन</u> :

(i) अन्तिम स्टॉक ₹41,000 था।

(ii) ₹5,000 मूल्य का माल खरीदा गया तथा उसे पुस्तकों में रिकॉर्ड भी कर लिया किन्तु माल 31 मार्च 2015 तक प्राप्त नहीं हुआ।

(iii) विभिन्न देनदारों पर, संदिग्ध देनदारों के लिए 5% प्रावधान बनाइये तथा देनदारों तथा लेनदारों पर छूट के लिए 2% का प्रावधान भी बनाइये।

(iv) ₹200 की स्टेशनरी के बिल का भुगतान नहीं हुआ है तथा न ही उसकी प्रविष्टि की गई है।

(v) एक नया उत्पाद लांच करने के समय ₹15,000 का खर्च विज्ञापन में शामिल है। व्यवसाय की नीति है कि इस प्रकार के व्यय पाँच वर्षों में समायोजित किए जाते हैं।

(vi) 10 मार्च 2015 में, ₹4,500 का प्राप्य विनिमय बिल भुना लिया यद्यपि यह मई में देय होगा।

(vii) सेल्समैन को निबल बिक्री का 10%, कमीशन के तौर पर दिया जाना है।

अथवा

31 मार्च, 2013 को समाप्य वर्ष के लिए V क्लब का प्राप्ति तथा भुगतान खाता दिया गया है -

प्राप्तियां	₹	भुगतान	₹
आगे लाया गया शेष	4,400	वेतन	44,000
अंशदान : 2011-2012 2012-2013 2013-2014	 1,500 96,000 500	फर्नीचर (01-01-2013 को खरीदा गया)	10,000
प्रवेश शुल्क	8,000	खेल व्यय	11,000
खेल निधि	15,000	ड्रामा व्यय	18,400
ड्रामा टिकटों की बिक्री	24,000	अखबार	2,500
रद्दी कागजों की बिक्री	150	निगम के टैक्स	3,600
निवेश पर ब्याज	1,350	जलपान	32,200
		प्रकाश व्यवस्था तथा हीटिंग	6,000
		दवाइयों की खरीद	4,000
		शेष आगे ले जाया गया	19,200
	1,50,900		**1,50,900**

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता तैयार कीजिए और उसी तिथि में तुलन पत्र भी बनाइये । नीचे दिए ब्यौरे को भी ध्यान में रखें :

(i) क्लब के 200 सदस्य हैं तथा प्रत्येक सदस्य ₹500 वार्षिक अंशदान देता है तथा वर्ष 2011-12 के लिए 2 सदस्यों का अंशदान अभी भी बकाया है ।

(ii) 31 मार्च, 2013 को दवाइयों का स्टॉक ₹1,000 था ।

(iii) ₹2,000 का निगम टैक्स 31 दिसम्बर, 2013 तक दे दिया गया है ।

(vi) वेतन प्रतिमाह ₹4,000 की दर से दिया जाता है ।

(v) 1 अप्रैल, 2012 को अन्य सम्पत्तियां थीं- फर्नीचर ₹40,000 तथा 9% निवेश ₹20,000 ।

(vi) फर्नीचर पर 10% वार्षिक की दर से मूल्य ह्रास लगाइये तथा निवेश पर, दी गई तिथि तक ब्याज का प्रावधान भी कीजिए ।

2. Mr. D consigned 100 cases of goods to Mr. L; the cost price of each case was Rs. 100. The consignor incurred following expense in relation to consignment: Railway Freight Rs. 1,750; Insurance Rs. 250; and Rs. 1,000 for Packing, 10 cases were destroyed in transit and insurance claim was settled for Rs. 500. L took delivery of 90 cases and spent Rs. 600 on octori and carriage. He sold 60 cases @ Rs 150 per case. Included in 60 cases are 10 cases which have been sold on credit to Mr. B. Subsequently only Rs. 800 could be recovered from Mr. B. His selling expenses were Rs. 300. He remitted sale proceeds after deducting expenses and commission at 10% on total sales including credit sales. Show ledger accounts in the books of both parties. (15)

OR

A & B doing business separately as building contractors undertook jointly to construct a building for a limited company for a contract price of Rs. 1,00,000 payable as Rs. 80,000 in cash in instalments and Rs. 20,000 in fully paid shares of the company. A bank account is opened in their joint names A, paying Rs. 25,000 ad B Rs. 15,000. They are to share profits and losses in the ratio of 2:1 respectively.

The transactions were as follows :

Wages paid Rs. 30,000

Materials Consumed Rs. 70,000

Materials Supplied by A Rs. 5,000

Materials Supplied by B Rs. 4,000

Architects' fees Rs. 2,000 paid by A.

The contract was completed and the price in cash and shares was duly received. The joint venture was closed by A taking up all the shares of the company at an agreed value of Rs. 16,000 and B taking up stock of materials at an agreed value of Rs. 3,000. Show the Joint Venture Account, Joint Bank Account and the co-venture's accounts after final distribution and settlement of accounts. (15)

श्री D ने श्री L को माल के 100 डिब्बे प्रेषित किए। प्रत्येक डिब्बे का लागत मूल्य ₹100 था। प्रेषक ने प्रेषण के सम्बन्ध में निम्न खर्चे किए - रेल भाड़ा ₹1,750; बीमा ₹250 तथा ₹1,000 पैकिंग। मार्ग में 10 डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए तथा बीमा दावे का निपटान ₹500 में हुआ। श्री L ने 90 डिब्बे प्राप्त किए तथा चुंगी और भाड़े पर ₹600 खर्च किए। उन्होंने 60 डिब्बे ₹150 प्रति डिब्बे की दर से बेच दिये। इन 60 डिब्बों में श्री B को उधार बेचे गए 10 डिब्बे भी शामिल हैं। बाद में श्री B से केवल ₹800 प्राप्त किए जा सके। विक्रय के व्यय ₹300 थे। अपने सभी खर्चे तथा सकल विक्रय (उधार बिक्री सहित) पर 10% कमीशन घटाने के बाद विक्रय राशि प्रेषक को भेज दी। दोनों पार्टियों की पुस्तकों में लैजर खाते दर्शाइये।

अथवा

A तथा B दोनों अलग-अलग भवन ठेकेदार का व्यवसाय करते हैं। उन दोनों ने एक लिमिटेड कम्पनी के लिए भवन निर्माण करने के लिए ₹1,00,000 मूल्य का साझा ठेका लिया जिसका भुगतान ₹80,000 नगद किश्तों में तथा ₹20,000 मूल्य के पूर्ण प्रदत्त, कम्पनी के शेयरों के रूप में होना तय हुआ। उन्होंने अपने नाम से एक साझा बैंक खाता खोला जिसमें A ने ₹25,000 तथा B ने ₹15,000 जमा किए। उन दोनों ने क्रमश: 2:1 के अनुपात में लाभ हानि को वहन करने का निर्णय लिया। विभिन्न लेन देन इस प्रकार थे -

मजदूरी का भुगतान ₹30,000

निर्माण सामग्री की खपत ₹70,000

A ने निर्माण सामग्री सप्लाई की ₹5,000

B ने निर्माण सामग्री सप्लाई की ₹4,000

A ने वास्तुकार की फीस का भुगतान किया ₹2,000

ठेका पूरा होने पर समस्त नगद धनराशि तथा शेयर प्राप्त हो गए। संयुक्त उद्यम को बन्द करने के उद्देश्य से, A ने सभी शेयर ₹16,000 की समझौता राशि पर ले लिए तथा B ने बची हुई सामग्री ₹3,000 के मूल्य पर लेना तय किया। सम्पूर्ण विभाजन एवं समझौते के बाद, संयुक्त उद्यम खाता, संयुक्त बैंक खाता तथा सह-उद्यमियों के खाते तैयार कीजिए।

3. (a) A Company had a balance of Rs. 4,05,000 on 1st January, 2013 in its Machinery Account. 10% per annum depreciation was charged by diminishing balance method. On 1st July 2013, the company sold a part of the machinery for Rs. 87,500 which was purchased on 1st January 2011 for Rs. 1,20,000 as a part of it has become useless, and on the same date i.e, on 1st July, 2013, the company purchased a new machine for Rs. 2,50,000.

On 31st December, 2013, the Directors of the company decide to adopt the fixed instalment method of depreciation from 1st January, 2011 instead of diminishing balance method. The rate of depreciation will remain the same.

You are required to Prepare Machinery Account for the year ending 31st December, 2013.

(b) Explain briefly Going concern concept & Money measurement concept.

(10+5=15)

OR

P Limited sold three machines costing Rs. 10,000 each to Mr. F on hire purchase system on 1.1.2014. Mr. F paid Rs. 6,000 on the above date to receive delivery of the machines and agreed to pay five half-yearly instalments of Rs. 6,000 each.

Mr. F could not pay the third instalment in time whereupon P Limited repossesses one machine and Mr. F retained the other two machines. The value of the returned machine was agreed to be cash price less 40%. The purchaser charges depreciation @ 10% p.a. on reducing balance method.

P Limited sold the repossessed machine for Rs. 4,500 on 31st December 2015 after incurring repairs of Rs. 200.

You are required to show :

(i) P Limited's Account and Machinery Account in the books of hire purchaser

(ii) Mr. F's Account and Goods Repossessed Account in the books of P Limited. (15)

(क) एक कम्पनी के मशीनरी खाते में, 1 जनवरी, 2013 को ₹4,05,000 शेष था। कम्पनी, 10% वार्षिक की दर से क्रमिक घटते शेष पद्धति से, मूल्य ह्रास लगाती है। कम्पनी ने, 01 जनवरी, 2011 में ₹1,20,000 में खरीदी गई मशीन के एक हिस्से को बेकार हो जाने की स्थिति में 01 जुलाई, 2013 को ₹87,500 में बेच दिया। उसी दिन (01-07-2013) कम्पनी ने ₹2,50,000 की नई मशीन खरीद ली।

31 दिसम्बर, 2013 को कम्पनी के निदेशकों ने निर्णय लिया कि अब घटते शेष पद्धति की अपेक्षा निश्चित किश्त पद्धति अपनाई जाएगी और उसे 01 जनवरी, 2011 से प्रभावी माना जाएगा जबकि मूल्य ह्रास की दर समान रहेगी।

31 दिसम्बर, 2013 को समाप्य वर्ष के लिए मशीनरी खाता तैयार कीजिए।

(ख) 'व्यवसाय चालू' की अवधारणा तथा 'मौद्रिक माप' की अवधारणा को संक्षेप में समझाइये।

अथवा

P लिमिटेड ने 01.01.2014 को किराया-क्रय पद्धति पर श्री F को ₹10,000 प्रति की दर से तीन मशीनें बेचीं। उपरोक्त तिथि को मशीनों की सुपुर्दगी लेने के लिए श्री F ने ₹6,000 भुगतान किया तथा ₹6,000 प्रति के हिसाब से पांच अर्धवार्षिक किश्तों में बकाया राशि का भुगतान करना स्वीकार किया।

श्री F, तीसरी किश्त का समय पर भुगतान नहीं कर पाए तथा इस कारण P लिमिटेड ने एक मशीन ज़ब्त कर ली तथा दो मशीनें F के पास ही रहने दीं। वापस ली गई मशीन की कीमत, नगद मूल्य से 40%

कम आंकी गई। क्रेता मशीनों पर, क्रमिक घटते शेष पद्धति द्वारा 10% वार्षिक की दर से मूल्य-ह्रास लगाते हैं।

P लिमिटेड ने ₹200 में मरम्मत कराने के बाद, ज़ब्त की गई मशीन 31 दिसम्बर, 2015 को ₹4,500 में बेच दी।

आप से अपेक्षित है कि आप निम्नलिखित दर्शाएं -

(i) किराया-क्रय क्रेता की पुस्तकों में P लिमिटेड तथा मशीनरी खाते तथा

(ii) P लिमिटेड की पुस्तकों में, श्री F का खाता तथा माल जब्ती खाता।

4. (a) L Limited sends goods to its Branch X at cost plus 25%. From the following particulars, prepare Branch Stock Account, Branch Adjustment Account and Branch Profit & Loss Account :

	Rs.
Opening Stock at Branch (I.P)	5,000
Goods sent to Branch	20,000
Loss in transit at Invoice Price	2,500
Theft at Invoice Price	1,000
Loss in weight (normal) at invoice price	500
Sales	25,500
Expenses	8,000
Closing stock at branch at cost to branch	6,000
Claim received from insurance company for loss-in-transit by Head Office	2,000

(b) Explain briefly the main objectives of accounting standards.

(11+4=15)

(क) L लिमिटेड, अपनी शाखा X को लागत जमा 25% पर माल प्रेषित करती है। आगे दिए गए ब्यौरे से शाखा स्टॉक खाता, शाखा समायोजन खाता तथा शाखा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए :

	₹
शाखा में आरम्भिक स्टॉक (बीजक मूल्य)	5,000
शाखा को प्रेषित माल	20,000
मार्ग में माल की (बीजक मूल्य पर) क्षति	2,500
माल की चोरी (बीजक मूल्य)	1,000
भार में कमी (सामान्य) का बीजक मूल्य	500
माल बिक्री	25,500
खर्चे	8,000
शाखा की लागत पर अन्तिम स्टॉक	6,000
प्रधान कार्यालय द्वारा प्राप्त, मार्ग में क्षतिग्रत माल की बीमा दावा राशि	2,000

(ख) लेखांकन मानकों के मुख्य उद्देश्यों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

5. (a) A, B & C are partners sharing profits and losses in the ratio of 4:3:2. Their Balance Sheet as on 31-12-2015 stood as follows :

Liabilities	**Rs.**	**Assets**	**Rs.**
Sundry Creditors	20,000	Cash	2,000
Bank Overdraft (Secured against stock)	15,000	Debtors : 18,000 Less: Provision for (1,000) Doubtful Debts	17,000
Loan (against the mortgage of machinery)	25,000	Stock	25,000
Capitals : A B C	20,000 10,000 3,000	Machinery	40,000
		Profit & Loss Account	9,000
	93,000		**93,000**

The firm was dissolved on that date. Stock was taken over by the banker and it realized Rs. 20,000. Bank paid back Rs. 4,000 after recovering its overdraft and interest due thereon.

Machinery was disposed off for Rs. 24,000 and debtors realized Rs. 14,000 only. Loan was fully paid alongwith interest due of Rs. 1,000. Sundry Creditors were discharged at 10% discount. Expenses amounted to Rs. 300 which was paid by A.

C became insolvent and only Rs. 950 could be recovered from his private assets.

Prepare necessary ledger accounts to close the books of the firm assuming that the required cash was brought in by the partners to make the final payments.

(b) Briefly explain Graner vs. Murray Rule. (12+3)

(क) A, B तथा C साझेदार हैं तथा क्रमशः 4:3:2 के अनुपात में लाभ-हानि वहन करते हैं। 31-12-2015 को उनका तुलन-पत्र इस प्रकार था :

देयताएं	₹	सम्पत्तियां	₹
विभिन्न लेनदार	20,000	रोकड़	2,000
बैंक ऋण (स्टॉक द्वारा सुरक्षित)	15,000	देनदार : 18,000 संदिग्ध के लिए प्रावधान (1,000)	17,000
ऋण (जिसके लिए मशीन गिरवी है)	25,000	स्टॉक	25,000
पूँजी : A B C	20,000 10,000 3,000	मशीनरी	40,000
		लाभ हानि खाता	9,000
	93,000		**93,000**

उसी दिन फ़र्म भंग कर दी गई। स्टॉक को बैंक ने ले लिया और उससे ₹20,000 वसूल हुए। बैंक ने ऋण तथा ब्याज के पैसे काटकर ₹4,000 लौटा दिए। मशीनरी ₹24,000 में बेची तथा देनदारों से ₹14,000 बसूल हुए। ऋण का पूर्ण भुगतान ₹1,000 ब्याज समेत कर दिया गया। लेनदारों को 10% छूट पर निपटाया गया। ₹300 का खर्चा हुआ जिसका भुगतान A ने किया।

C दीवालिया हो गया और उसकी निजी सम्पत्ति से मात्र ₹950 वसूल हो पाए।

यह मानते हुए कि अन्तिम भुगतान के लिए साझेदार आवश्यक नगदी लाएंगे; फ़र्म की पुस्तकें बन्द करने के लिए ज़रूरी लैजर खाते तैयार कीजिए।

(ख) गार्नर बनाम मरे केस में प्रतिपादित नियम की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।